केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान

रहमानखेड़ा, पो. काकोरी, लखनऊ-227 107 उ.प्र. (भारत)

Central Institute for Subtropical Horticulture

Rehmankhera, PO Kakori, Lucknow-227 107 U.P. (India).

आम में डासी मक्खी का प्रबंधन

- वयस्क मक्खियाँ अप्रैल माह में जमीन से निकल कर परिपक्व फलों पर अण्डे देती है। एक मक्खी 150 से 200 तक अण्डे देती है। दो–तीन दिन के पश्चात् सूड़ियाँ अण्डों से निकलकर गूदे को खाना शुरू कर देती हैं।
- इस कीट की सूड़ियाँ आम के गूदे को खाकर उसे एक सड़े अर्ध–तरल बदबूदार पदार्थ के रूप में परिवर्तित कर देती हैं।
- इस कीट के प्रकोप के प्रभाव को कम करने के लिए समस्त गिरे हुए तथा मक्खी के प्रकोप से ग्रसित फलों को इकट्ठा कर नष्ट कर देना चाहिए।
- वृक्षों के आसपास शीतकाल में जुताई करने से भूमिगत प्यूपा को भी नष्ट किया जा सकता है।
- काष्ठ निर्मित यौनगंध ट्रैप को पेड़ पर लगाना इस नाशीजीव के नियंत्रण में अत्यन्त प्रभावशाली है। इस ट्रैप के लिए प्लाइवुड के 5 X 5 X 1 सेमी. आकार के गुटके को 48 घंटे तक 6:4:1 के अनुपात में अल्कोहल : मिथाइल यूजिनाल : मैलाथियान के घोल में भिगोकर लगाना चाहिए। यौनगंध ट्रैप को दो माह के अंतर पर बदल देना चाहिये।
- ट्रैप की संख्या 10 प्रति हेक्टेयर होनी चाहिए।

Phone :0522-2841022, 2841023, 2841024 Fax :0522-2841025

website:www.cishlko.org; E-mail:director@cish.ernet.in